Bhaya Ki Su Dargi | By Narendra Kaushik |

भैया की सू डरगी मैं तो
दौड़ी आई रे
देख अंजनी के लाल ने

जब बजरंग के पेसी लागी
डर के ऐ मैं ऐसी भागी
घाटा संकट छोड़ आई री
देख अंजनी के लाल ने
भैया की सू डरगी मैं तो
दौड़ी आई रे
देख अंजनी के लाल ने

भर्या री धरा था घी का कटोरा
रास्ते में जल का घड़ वारी कोरा
ऐस्या लाग्या पैर मैं तो फोड़ आई री
देख अंजनी के लाल ने
भैया की सू डरगी मैं तो
दौड़ी आई रे
देख अंजनी के लाल ने

बैठे भगत ने बीच के होली
आके सी एक बिछड़ी खटोली
उसका भी पाया मैं तो तोड़ आई री
देख अंजनी के लाल ने
भैया की सू डरगी मैं तो
दौड़ी आई रे
देख अंजनी के लाल ने

बलवान सिंह ने डाटी भतेरी
मोहन की दी नाटी भतेरी
रुसे के ना डरके मरोड़ आई री
देख अंजनी के लाल ने
भैया की सू डरगी मैं तो
दौड़ी आई रे
देख अंजनी के लाल ने

https://bhaktivandana.com/lyrics/bhaya-ki-su-dargi-by-narendra-kaushik/